चाकसू में फल विक्रेता की मौत के मामले ने तूल पकड़ा, सब्जी मंडी बंद रही

मृतक के परिजन व सैंकड़ों फल व सब्जी विक्रेता समेत जनप्रतिनिधियों ने धरना दिया

चाकसू, (निसं)। गत दिनों फल विक्रेता बनवारी लाल की मौत के प्रकरण ने मंगलवार को दूसरे दिन तूल पकड़ लिया। नाराज सब्जी व फल विक्रेताओं ने बनवारी की मौत को लेकर सब्जी मंडी बन्द रखकर कारोबार ठप रखा। लोग सब्जी व फल की खरीद को लेकर इधर-उधर भटकते नजर आए। बाद में कोटखवावदा मोड़, अम्बेडकर सर्किल पर टेंट लगाकर धरना दिया। धरना स्थल पर पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भरतलाल मीना, पूर्व मंडी चेयरमैन हरिनारायण चौधरी, विनोद राजोरिया, नगर पालिका उपाध्यक्ष सीताराम गुर्जर, पार्षद जुगल राजावत, विक्की सांवरिया, पूर्व पार्षद मोहनलाल बोहरा, शिवजी जाट सहित मृतक के परिजन व सैंकड़ों फल व सब्जी विक्रेता मौजूद थे।

जनप्रतिनधियों ने मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता का एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी व थाना प्रभारी को दिया, जिसमें 50 लाख की आर्थिक सहायता, मृतक के आश्रित को सरकारी नौकरी या डेयरी बूथ व दोषी लोगो के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की। कुछ देर के लिये लोगों ने पुराने टोंक रोड को जाम कर टायर जला दिए। जाम से दोनो तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। बाद में प्रशासन की समझाइश से जाम खोल दिया। मृतक की बेटी ने क्षेत्र के लोगों से धरना स्थल पर आने की अपील की व उसके मृतक पिता को न्याय दिलाने की अपील की।

धरना स्थल पर लोगों को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी ने कहा कि मृतक का बिना पोस्टमार्टम करवाये परिजनों पर रातों रात दबाव लगाकर दाग लगवा दिया, इसमें ऐसी क्या जल्दबाजी थी। घटना स्थल पर क्षेत्रीय विधायक के नहीं आने पर सोलंकी ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि सब्जी विक्रेताओं को स्थायी जगह देना चाहिए। आज यह घटना बनवारी के साथ घटी कल दूसरे के साथ घटेगी। वहीं सोशल मीडिया पर भी बनवारी की मौत को लेकर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। देर शाम तक धरना जारी था। वहीं परिजनों का आरोप है कि 16 अगस्त को नगर पालिका ने बनवारी के 50 हजार के फल जब्त कर लिए थे और उसे थाने में ले गए थे। जिससे वह टेंशन में था इसी के चलते हुए उसकी मौत हो गयी।

नाराज सब्जी व फल विक्रेताओं व मृतक के परिजनों ने मांगों को लेकर धरना दिया।

- जनप्रतिनधियों ने मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता का एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी व थाना प्रभारी को दिया

दो हजार रुपये की रिश्वत लेते चिकित्सक गिरफ्तार

राजकीय चिकित्सालय जालोर के ट्रोमा सेंटर में कार्यरत मेडिकल ज्यूरिस्ट चिकित्सक कानाराम पटेल को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया। (गोले में)

जालोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. जालोर इकाई द्वारा मंगलवार को कार्यवाही करते राजकीय चिकित्सालय जालोर के ट्रोमा सेंटर में कार्यरत मेडिकल ज्यूरिस्ट चिकित्सक कानाराम पटेल को दो हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशानुसार जोधपुर रेंज के उप महानिरीक्षक भुवनभूषण यादव के सुपरविजन में जालोर एसीबी के एएसपी मांगीलाल ने ट्रेप की कार्यवाही करते हुए बताया कि परिवादी के साथ 24 जुलाई को हुई मारपीट के प्रकरण जो कि पुलिस थाना कोतवाली जालोर में दर्ज है। उक्त प्रकरण में परिवादी की चोटों का चोट प्रतिवेदन जारी करने के एवज में जालोर राजकीय चिकित्सालय के ट्रोमा सेंटर के मेडिकल ज्यूरिस्ट डॉ. कानाराम पेटल द्वारा परिवादी से रिश्वत की मांग की गई, जिसका एसीबी जालोर द्वारा गोपनीय सत्यापन करवाया जाकर मंगलवार को ट्रेप की कार्यवाही की गई। जिस पर डॉ. कानाराम को परिवादी से दो हजार रूपये रिश्वत की राशि प्राप्त करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। एसीबी जोधपुर, रेंज उप महानिरीक्षक भुवनभूषण यादव के सुपरवीजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

- मारपीट के दर्ज प्रकरण में परिवादी की चोटों का चोट प्रतिवेदन जारी करने के एवज में रिश्वत मांगी थी

40 लाख कीमत के 123 मोबाइल फोन बरामद, मालिकों को सौंपे

अलवर, (निसं)। अलवर एसपी सुधीर चौधरी द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन सायबर संग्राम में पुलिस ने सफलता हासिल करते हुए चोरी गए करीब चालीस लाख कीमत के 123 मोबाइलों को बरामद कर उन्हें उनके वास्तविक मालिकों को लोटाकर जनता में विश्वास जमाने का पूरा प्रयास किया है।

सुधीर चौधरी पुलिस अधीक्षक जिला अलवर ने बताया कि ऑपरेशन सायबर संग्राम अभियान के तहत सायबर सेल व समस्त थानाधिकारियों, वृत्ताधिकारी द्वारा कार्रवाई करते हुए सीईआरएल पोर्टल पर दर्ज गुमशुदा मोबाइल फोन को ट्रेस कर 123 मोबाइल, अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रूपये के मोबाइल फोन बरामद करवाए गए है। 123 मोबाइल फोन वास्तविक मोबाइल धारकों को सुपुर्द किये गये हैं। आमजन द्वारा गुम होने वाले मोबाइल फोन की शिकायत दर्ज कराने पर उनका इन्द्राज सीईआरएल पोर्टल पर किया जाता है। सीईआरएल पोर्टल पर दर्ज होने के पश्चात मोबाइल फोन ट्रेस होने पर सायबर सेल द्वारा थानों के माध्यम से बरामद करवाया जाकर उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किये गये है।

एसपी चौधरी ने आमजन से अलवर पुलिस की तरफ से अपील की कि मोबाइल गुम होने पर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें या सायबर फॉड हेल्पलाईन नम्बर या जिला अलवर के हेल्पलाईन नम्बरपर सम्पर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करवायें, ताकि आपकी मदद कर विधिक कार्रवाई की जा सके।

अलवर पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने जब्त मोबाइलों के बारे में जानकारी दी।

मादक पदार्थों की सप्लाई में लिप्त 15 हजार का इनामी तस्कर पंजाब से गिरफ्तार

ढाई साल से पुलिस को चकमा दे रहा था, एसओजी और डीएसटी की टीमों को भी आरोपी की तलाश थी

सूरतगढ़, (निसं)। सर्किल की राजियासर थाना पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थों की सप्लाई में लिप्त 15 हजार रुपए के इनामी आरोपी को पंजाब से गिरफ्तार किया है। 80 किलो अवैध डोडा-पोस्त व 320 ग्राम अफीम के साथ पकड़े गए आरोपियों ने यह नशा आरोपी से खरीदा था।

एसपी डॉ. अमृता दुहन ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि बरकत अली (27) निवासी कर्मलीवाली ढाणी को राजियासर थानाधिकारी सतीश कुमार ने अपनी टीम के साथ दबिश देकर बठिंडा (पंजाब) से गिरफ्तार किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर का यह तस्कर लंबे समय से फरार चल रहा था और जोधपुर की डीएसटी लगातार इसकी तलाश कर रही थी। एसपी के अनुसार ऑपरेशन सीमा संकल्प के तहत मेडिकेटेड नशे और मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। 5 जनवरी 2023 को राजियासर थाना पुलिस ने हाईवे पर नाकाबंदी के दौरान कार को रोककर तलाशी ली, तो कार से प्लास्टिक कट्टों में भरा 80 किलो अवैध डोडा-पोस्त और 320 ग्राम अफीम बरामद हुई थी। इस पर पुलिस ने कार सवार आरोपियों को गिरफ्तार कर राजियासर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान यह सामने आया कि पकड़े गए आरोपियों ने यह नशा बरकत अली से खरीदा था। बरकत अली की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही थी। एसओजी और जोधपुर की डीएसटी भी उसकी तलाश में थी। आरोपी की गिरफ्तारी पर 15 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

राजियासर थाना प्रभारी सतीश कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी को बठिंडा से दबोच लिया।

बरकत अली का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला गया है, जिसमें यह सामने आया है कि उसके खिलाफ पहले से ही सिटी थाने में एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज है। आरोपी अंतरराष्ट्रीय हेरोइन तस्करी के मामले में भी वांछित है। थाना मोहनगढ़ में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के एक मामले भी उसका नाम सामने आया है, जिसकी जांच एसओजी जोधपुर कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और संभावना है कि कई और बड़े खुलासे सामने आएंगे। इस कार्रवाई में राजियासर थाने के सिपाही आत्माराम और रामदयाल की विशेष भूमिका रही।

- 80 किलो अवैध डोडा-पोस्त व 320 ग्राम अफीम के साथ पकड़े गए आरोपियों ने यह नशा आरोपी से खरीदा था

दुष्कर्म और कुकर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की सेवर थाना पुलिस ने नाबालिग बच्चे-बच्चियों के साथ दुष्कर्म और कुकर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी दुष्कर्म करने का आदी है। नाबालिग से कुकर्म और हत्या के मामले में आरोपी आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। साल 2024 में ही आरोपी की सजा पूरी हुई थी, जिसके बाद साल 2025 में उसने फिर से नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

ग्रामीण सीओ आकांशा चौधरी ने बताया कि 25 जून 2025 को एक नाबालिग से दुष्कर्म करने की रिपोर्ट दर्ज हुई थी, जिसमें बताया गया था कि आरोपी मोहम्मद अरसद उर्फ़ लायक निवासी झब्बारी पुलिस थाना जलालगढ़ जिला पूर्णिया बिहार ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया है। साथ ही उसे जाति सूचक शब्दों से भी अपमानित किया है। आज आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। साल 2007 में आरोपी के खिलाफ डीग जिले के पहाड़ी थाने में एक नाबालिग से यौन उत्पीड़न, हत्या करने का मामला दर्ज हुआ था। इस मामले में कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास सजा सुनाई थी। आरोपी साल 2024 में जेल से रिहा हो गया था। सजा के दौरान आरोपी अर्ध खुलाबन्दी में था। वह मजदूरी करने जाता था। इस दौरान उसकी जान पहचान एक दंपती से हुई। दोनों पति-पत्नी भी मजदूरी करने जाया करते थे। साल 2023 में नाबालिग के पिता की बीमारी के कारण मौत हो गई। साल 2024 में आरोपी जेल से बाहर आ गया।

आरोपी मोसम्मद अरसद ने सेवर में किराए पर कमरा ले लिया और वह नाबालिग के घर आने जाने लगा। इस दौरान आरोपी ने नाबालिग की मां से कहा कि वह उसकी नाबालिग बेटी का स्कूल में एडमिशन करवाएगा। जिसके बाद वह नाबालिग का सारा पढ़ाई का खर्च उठाने लगा। वह नाबालिग को किसी न किसी बहाने अपने कमरे पर ले जाता और उसके साथ दुष्कर्म करता। आरोपी नाबालिग से 2024 से दुष्कर्म कर रहा था। 25 जून 2025 को नाबालिग आरोपी से परेशान होकर सेवर थाने पहुंची, जहां उसने सारी घटना पुलिस को बताई। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच की और, आज आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

सीओ आकांक्षा चौधरी ने बताया कि आरोपी मोहम्मद अरसद साल 2005 में बिहार से आया था। जहां वह एक मदरसे में पढ़ा रहा था। वहां पर उसने अपने साथी के साथ मिलकर एक 14 साल के नाबालिग युवक से कुकर्म किया। उसके बाद युवक की हत्या कर दी। नाबालिग युवक मदरसे में ही पढ़ता था। साल 2007 में आरोपी मोहम्मद अरसद और उसके साथी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई थी। साल 2010 में कोर्ट ने मोहम्मद अरसद को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

- 2007 में अपने स्टूडेंट के साथ कुकर्म कर हत्या कर दी थी
- जेल से बाहर आने के बाद नाबालिग से दुष्कर्म किया था

नीले ड्रम की मर्डर मिस्ट्री : पुलिस जयपुर रेंज आईजी व खैरथल एसपी किशनगढ़ बास पहुंचे

किशनगढ़ बास, (निसं)। मेरठ के बाद खैरथल तिजारा जिले के पुलिस थाना किशनगढ़ बास के वार्ड 14 की आदर्श कॉलोनी के एक मकान में नीले ड्रम के अंदर मिले युवक हंसराज के शव को 24 घंटे भी पूरे नहीं हुए कि पुलिस ने फरार मृतक युवक की पत्नी लक्ष्मी उर्फ सुनीता व प्रेमी जितेंद्र जो मकान मालिक का लड़का है, उसे ढूंढ कर गिरफ्तार किया है। वहीं मंगलवार को पुलिस जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश व खैरथल एसपी ने किशनगढ़ बास पहुंचकर मकान का मुआयना कर घटना की जानकारी ली।

एसपी मनीष चौधरी ने प्रेस वार्ता में मेरठ के बाद किशनगढ़ बास में नीले ड्रम की मर्डर मिस्ट्री का खुलासा करते हुए बताया कि घर पर शराब पार्टी कर प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर नीले ड्रम में लाश को छुपाकर फरार हुए मकान मालिक के बेटे जितेंद्र व मृतक युवक हंसराज की पत्नी सुनिता उर्फ लक्ष्मी को पुलिस ने रामगढ़ के अलावडा ईंट भट्टा से गिरफ्तार कर लिया। प्रेमी युवक जितेंद्र महिला को लेकर ईंट भट्टा पर काम मांगने लिए पहुंचा था। एसपी ने बताया घटना के सामने आने पर पुलिस ने जिलेभर के ईंट भट्टा मालिकों को खबर की और साइबर सेल की मदद से आरोपियों की तलाश व गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर भेजी। तलाश के दौरान जैसे ही पुलिस तिजारा थाना क्षेत्र के भिड़ूसी ईंट भट्टा पर पहुंची तो वहां मुनीम ने बताया कि महिला और युवक को डिटेन कर पूछताछ के लिए किशनगढ़ बास पुलिस थाने ले आई। प्रेम प्रसंग के चलते हंसराज की पत्नी सुनिता उर्फ लक्ष्मी एवं प्रेमी जितेंद्र शर्मा पुत्र राजेश शर्मा ने अपने मकान में किराए पर लेकर आया। उत्तर प्रदेश निवासी हंसराज अपने परिवार के साथ भिड़ूसी ईंट भट्टा पर काम करता था। वहीं पर जितेंद्र बी मुनीम की नौकरी करता था। करीब डेढ़ महीने पहले जितेंद्र और हंसराज नौकरी छोड़कर आए थे। 15 अगस्त को जितेंद्र शराब पार्टी करने ऊपर रह रहे हंसराज के पास पहुंचा और तीनों ने मिलकर शराब पी। शराब पीने से नशा अधिक होने पर हंसराज लेट गया।

प्रेमी जितेंद्र और सुनिता उर्फ लक्ष्मी ने हंसराज को रास्ते से हटाने की योजना के मुताबिक मौका पाकर जितेंद्र हंसराज की छाती पर बैठ गया और पर दोनों हाथों से दबा लिए और तकिए से हंसराज का मुंह को दबाने लगा। सुनीता ने इस दौरान हंसराज के दोनों पैर दबा लिए जिससे हंसराज ने दम तोड़ दिया। बाद में प्रेमी और प्रेमिका ने मिलकर हंसराज की लाश को नीले प्लास्टिक ड्रम में रखकर ऊपर से नमक डाल दिया और ड्रम को चादर से ढक दिया। जन्माष्टमी के दिन जितेंद्र के परिवार के लोग मंदिर गए उस दौरान मौका पाकर जितेंद्र प्रेमिका सुनीता उर्फ लक्ष्मी व तीनों बच्चों को लेकर घर से फरार हो गया। 17 अगस्त 2025 को हंसराज की मौत का खुलासा तब हुआ जब दोपहर को जितेंद्र की मां ऊपर छत पर गई और आ रही बदबू को लेकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर देखा तो ऊपर रसोई में ड्रम के अंदर लाश पड़ी थी। लाश से दुर्गंध उठ रही थी। मौके पर एफएसएल टीम को बुलाया और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया। मौके पर ड्रम के अंदर मिला एक धारदार लोहे का फरसा व चादर को जब्त कर लिया।

युवक की लाश की शिनाख्त उत्तर प्रदेश निवासी हंसराज के रूप में होने पर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। दूसरे दिन हंसराज के परिजन किशनगढ़ बास पुलिस थाने पर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि हंसराज की पत्नी सुनिता उर्फ लक्ष्मी इंस्टाग्राम पर रील बनाती थी। पुलिस ने पकड़े आरोपी प्रेमी जितेंद्र व प्रेमिका सुनीता उर्फ लक्ष्मी को गहन पूछताछ के उपरांत आरोप प्रमाणित पाए जाने गिरफ्तार किया। महिला गांव नवादिया पोस्ट खाडेपुर जिला शाहजहांपुर उत्तरप्रदेश की रहने वाली है।

पुलिस ने फरार मृतक युवक की पत्नी लक्ष्मी उर्फ सुनीता व प्रेमी को गिरफ्तार किया।

- रेंज आईजी व एसपी ने मकान का अवलोकन किया और घटना की जानकारी ली

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की वीरता पर छात्रा ने सिंदूर से पेंटिंग बनाई

9वीं क्लास की माही गुप्ता ने कलेक्टर व एसपी को सौंपी पेंटिंग, पेंटिंग बनाने में 12 दिन लगे

अजमेर, (कासं)। आतंकियों द्वारा भारतीय महिलाओं के सुहाग उजड़ाने वालों के खिलाफ भारतीय सेना की ओर से आतंकियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर 9वीं क्लास की छात्रा ने सिंदूर से दो पेंटिंग तैयार कर एसपी और जिला कलेक्टर को सौंपी है। यह पेंटिंग 12 दिन में लाल रंग के सिंदूर और अलग-अलग कलर्स का उपयोग कर तैयार की गई है। पेंटिंग में महिलाओं को उनके सुहाग उजड़ने पर रोता हुआ और जवानों द्वारा चलाये गए ऑपरेशन को दर्शाया गया है।

कलेक्टर और एसपी सौंपी पेंटिंग :-आस्था फाउंडेशन की वॉलिंटियर मोनिका डीडवानिया ने बताया कि संस्था द्वारा आत्मरक्षा अभियान चलाया गया था। इस अभियान में 9वीं कक्षा की छात्रा माही गुप्ता भी जुड़ी हुई थी। तब बच्ची ने एक छोटा सा ऑपरेशन सिंदूर पर पोर्ट्रेट बनाया था, बाद में इस पेंटिंग को बड़ा बनाने के लिए कहा गया, बच्ची की मेहनत और सराहना करने के लिए मंगलवार दोनों पेंटिंग कलेक्टर लोकबंधु और एसपी वंदिता राणा को सौंपी गई। पेंटिंग को लेकर बच्ची की भावनाएं बहुत अच्छी हैं। इसमें महिलाओं के दुख और ऑपरेशन सिंदूर को दर्शाया गया है।

प्रकाश नगर निवासी माही गुप्ता ने बताया कि वह माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में कक्षा 9वीं की छात्रा है। अपनी एक टीचर को देखकर उसने थर्ड क्लास से पेंटिंग करना शुरू किया था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सुंदर चलाया गया था। पूरे देश में सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा थी। तभी उन्होंने इस हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए यह पेंटिंग तैयार करना सोचा था। माही गुप्ता ने बताया कि इस पेंटिंग में उन्होंने लाल रंग के सिंदूर के साथ अलग अलग कलर्स और कैनवास शीट का उपयोग किया, दोनों पेंटिंग को तैयार करने में करीब उन्होंने 12 दिन लगे।

राष्ट्रीय अनु. जाति आयोग अध्यक्ष का जनप्रतिनिधियों से संवाद

जयपुर। प्रदेश के संविधान क्लब में मंगलवार को राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना की अध्यक्षता में प्रदेश के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बैठक में अनुसूचित जातियों से संबंधित विभिन्न विषयों एवं उनकी समस्याओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर आयोग के अध्यक्ष मकवाना ने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग के सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास किए जाएं। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग के हित के लिए राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं को अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक पहुँचाया जाएगा। बैठक में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि संविधान के प्रावधानों को संरक्षित रखने के लिए आयोग का गठन हुआ है। उन्होंने बताया कि इस आयोग के माध्यम से एससी समुदाय के अधिकारों की रक्षा कर विभिन्न समस्यायों का समाधान किया जाता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि एससी वर्ग की समस्याओं के समाधान के लिए आयोग द्वारा पूर्ण प्रयास किया जाएगा। बैठक के दौरान विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे अनुसूचित वर्ग के विकास कार्यों की जानकारी के साथ विभिन्न समस्याओं के बारे में भी अवगत कराया। और समाजहित में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक के दौरान राष्ट्रीय आयोग के सदस्य वडुपल्ली रामचंदर तथा लवकुश कुमार, राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंची बीकानेर की कल्पना

बीकानेर, (निसं)। लंदन में रहने वाली बीकानेर निवासी कल्पना थानवी ने तंजानिया के माउंट किलिमंजारो की चढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। कल्पना ने पिछले दिनों इस यात्रा को पूरा किया। एवरेस्ट की तरह ये पर्वतीय चोटी भी दुनिया की प्रमुख पर्वत श्रृंखला में शामिल है। प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर इस पर्वतीय चोटी पर पहुंचने के लिए कठिन मेहनत करनी पड़ती है।

अफ्रीका की सबसे ऊंची पर्वत श्रृंखला किलिमंजारो पर चढ़ाई का सिलसिला 6 अगस्त को शुरू किया और पंद्रह अगस्त तक चला। तंजानिया में स्थित ये पर्वत श्रृंखला करीब 5 हजार 895 मीटर यानी 19 हजार 341 फीट ऊंची है। इस पर्वत श्रृंखला पर चढ़ना काफी मुश्किल है। ये अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी है और इसे पार करना बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। तंजानिया में स्थित ये पर्वत श्रृंखला ज्वालामुखी से बनी है। इनका नाम किबो, मवेन्जी और शिरा है, जिसमें किबो सबसे ऊंची चोटी है, जिसे उहुरू शिखर के नाम से भी जाना जाता है। इसी की ऊंचाई 19 हजार 341 फीट है। मूल रूप से बीकानेर के जोशीवाड़ा क्षेत्र में रहने वाली कल्पना लंदन में ही काम करती है। उनके पति लंदन के प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. नरोत्तम थानवी भी प्रोत्साहित करते हैं। विवाह के बाद भी उनका पर्वतारोहण से प्रेम कम नहीं हुआ। बार-बार प्रयास करने के बाद अब इस पर्वत श्रृंखला पर चढ़ने में सफलता मिल गई।

- लंदन में रहने वाली बीकानेर निवासी कल्पना थानवी ने पिछले दिनों इस यात्रा को पूरा किया
- कल्पना ने 19 हजार फीट ऊंचे पहाड़ को फतह किया, ज्वालामुखी से बना है पर्वत